शहरी जीवन में बढ़ता प्रदूषण

शहरों का निरंतर विस्तार और बढ़ती जनसँख्या – आज की सभ्यता को शहरी सभ्यता को शहरी सभ्यता कह सकते हैं | यद्दपि भारत की अधिकांश जनता गाँवों में बस्ती है किन्तु उसके ह्रदयों में बसते – शहर बढ़ रहे है, साथ-साथ जनशंख्या भी तेजी से बढती रही है | हर वर्ष भारत में एक नया ऑस्ट्रेलिया और जुड़ जाता है |

शहरों में बढ़ते विविध प्रकार के प्रदूषण – जनसँख्या के इस बढ़ते दबाव का सीधा प्रभाव यहाँ के वायुमंडल पर पड़ा है | धरती कम, लोग अधिक | शहरों की तो दुर्गति हो गई है | दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई जैसे महानगरों में हर प्रकार का प्रदूषण पाँव पसार रहा है | लोगों के पास पर्याप्त स्थान नहीं हैं | लाखों लोग झुग्गी-झोंपड़ियों में निवास करते हैं, जहाँ खुली धुप, वायु और जल तक का प्रबंध नहीं है | न उनके पास रहने को पक्के मकान हैं, न संसाधन , न शौचालय | इसलिए उनका सारा वातावरण शौचालय जैसा दुर्गन्धपूर्ण हो गया है |

वायु-प्रदूषण – महानगरों की सड़कों के वाहन रोज लाखों गैलन गंदा धुआँ उगलते हैं | व्रक्षों को अभाव में यह धुआँ नागरिकों के फेफड़ों में जाता है और उनका स्वास्थ्य खराब हो गया है |

जल तथा धवनि प्रदूषण – नगरों में जल के स्त्रोत भी दूषित हो चुके हैं | दिल्ली में बहने वाली यमुना पवित्र नदी नहीं, विशाल नाला बन चुकी है | नगरों के आसपास फैले उद्योग इतना रासायनिक कचरा उत्सर्जित करते हैं कि यहाँ की धरती और नदियों का जल प्रदूषित हो चूका है | शोर का कहना ही क्या ! वाहनों का शोर, कल-कारखानों की बड़ी-बड़ी मशीनों का शोर, सघन जनसंख्या का शोर, ध्वनि-विस्तारकों और कर्णबेधक संगीत-वाद्यों का शोर-इन सबके कारण शहरी जीवन तनावग्रस्त हो गया है |

प्रदूषण की रोक थाम के उपाय – शहरों में बढ़ रहे प्रदूषण को रोकने अत्यंत आवश्यक है | इसका सर्वोतम उपाय है – **जनसँख्या** पर नियंत्रण | प्रयतन किया जाना चाहिए कि और गाँव तजकर नगरों की और न दौड़े | सरकार को चाहिए कि वह नगरों की सुविधाएँ गाँवों तक पहुँचाये ताकि शहरीकरण की अंधी दौड़ बंद हो |

प्रदूषण रोकने का दुस्ता उपाय है – सुविचार्पूर्ण नियोजित | हरियाली को यथासंभव बढ़ावा देना चाहिय | प्रदूषण बढ़ाने वाली फैक्टरियों को नगरों से बाहर ले जाना चाहिए | फैक्टरियों के प्रदूषित जल और कचरे को संसाधित करने का उचित प्रबंध करना चाहिए | शोर को रोकने के कठोर नियम बनाए जाने चाहिए तथा उन पर अमल किया जाना चाहिए|